Ans. (d) – सन्त चरणदास का जन्म गांव देहरा, जिला अलवर में 1703 ई. में हुआ था। इनके पिताजी का नाम मुरलीधर था। संत चरणदास जी चरणदासी सम्प्रदाय के प्रणेता है। इनके अनुयायी पीले रंग के कपड़े पहनते थे तथा इनकी मुख्य पीठ दिल्ली में स्थित है। इन्होंने अपने अनुयायियों को 42 उपदेश दिए थे तथा इनके प्रमुख शिष्यों की संख्या 52 मानी जाती है।
चरणदासी सम्प्रदाय के लोग 'सखी भाव' से श्री कृष्ण भगवान की पूजा करते हैं। इस सम्प्रदाय में सगुण भक्ति तथा निर्गुण भक्ति दोनों का मिश्रण देखने को मिलता है। चरणदास जी ने अपने उपदेश मेवाती भाषा में दिये थे।

831. किस सूफी संत ने नागौर के पास 'सुवाल' गाँव में अपना केन्द्र बनाकर शांतिपूर्वक प्रचार किया?
(a) मुइनुद्दीन चिश्ती (b) अल्लाह बक्ष
(c) रजीउद्दीन हसन (d) शेख हमीदउ्दीन

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (d) – शेख हमीद्दीन ने नागौर के पास 'सुवाल' गाँव में अपना केन्द्र बनाकर शांतिपूर्वक प्रचार किया। शेख हमीउद्दीन (1192–1274 ई.) ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती के शिष्य थे। इन्होंने अपने गुरू के आदेशानुसार सूफी मत का प्रचार-प्रसार किया। राजस्थान में अजमेर के बाद नागौर ही सूफी मत का प्रसिद्ध केन्द्र था। हमीदउद्दीन नागौरी का मकबरा नागौर में स्थित है।

832. निम्न में से किसने गुरु गोरखनाथ से दीक्षा ली थी?
(a) जाम्भो जी (b) संत पीपा
(c) दादू दयाल (d) संत चरणदास

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष)-2019

Ans. (a) – जांभोजी का वास्तविक नाम धनराज था तथा इनकी माता इन्हें कृष्ण का अवतार मानती थी। जांम्भोजी ने गुरु गोरखनाथ से दीक्षा ली थी। जबकि चरणदास के गुरु मुनि शुकदेव थे। नाथ सम्प्रदाय के प्रथम गुरु गोरखनाथ को माना जाता है।

833. कौन सा युग्म गलत सुमेलित है?
(a) पाबूजी-कोलू (b) तेजाजी-खरनाल
(c) मल्लीनाथजी-गागरोण (d) गोगाजी-ददरेवा

कनिष्ठ अनुदेशक परीक्षा-2018
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख)-2019

Ans. (c) – सही सुमेलन है-

लोक देवता		जन्म स्थान
पाबूजी	–	कोलू गाँव (जोधपुर)
तेजाजी	–	खरनाल गाँव (नागौर)
मल्लीनाथ	–	गोपड़ी गाँव (बाड़मेर)
गोगाजी	–	ददरेवा गाँव (चुरू)

834. राठौड़ राजवंश की कुलदेवी कौन है?
(a) आशापाला (b) शाकम्भरी
(c) नागनेचीजी (d) बीजासन

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (c) –

	राजपूत वंश		कुल देवी
(i)	राठौर	-	नागनेची जी माता
(ii)	नागवंश	-	बीजासन माता
(iii)	बुन्देला	-	अन्नपूर्णा माता
(iv)	कछवाहा	-	अन्नपूर्णा माता
(v)	चौहान	-	आशापूर्णा माता
(vi)	परिहार	-	योगेश्वरी माता

835. किस सूफी संत को 'सुल्तान-ए-तारिकिन' की उपाधि प्राप्त थी?
(a) ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती
(b) शेख हमीदुद्दीन नागौरी
(c) काजी हमीदुद्दीन नागौरी
(d) शेख बुरहान चिश्ती

VDO-2021 Exam Date 28.12.21 Shift-III

Ans. (b) शेख हमीदुद्दीन नागौरी को 'सुल्तान-ए-तारिकिन' की उपाधि प्राप्त थी। ये चिश्ती सिलसिले के सूफी संत थे। इनकी मजार राजस्थान के नागौर में स्थित है। नागौरी इनकी उपाधि थी।

836. राजस्थान का 'रूणेजा मेला' सन्तुष्ट समाज के लिये किस प्रकार योगदान देता है?
(a) निरन्तर ईश्वर स्मरण द्वारा
(b) साम्प्रदायिक सद्भाव द्वारा
(c) सत्य बोलने के शिक्षण द्वारा
(d) पवित्र जीवन द्वारा
उत्तर - (b)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या— साम्प्रदायिक सद्भाव के प्रतीक माने जाने वाले लोकदेवता बाबा रामदेव जिन्हें रामसा पीर भी कहा जाता है। हिन्दू-मुस्लिम दोनों के लिए सम्मानीय हैं। जिनकी याद में इस मेले का आयोजन किया जाता है।

(viii) राजस्थान की प्रमुख जनजातियाँ

837. कर्नल टॉड के अनुसार, मीणाओं का मूल निवास स्थान निम्न में से कौन सा था?
(a) आबू पर्वतमाला
(b) काली खोह पर्वतमाला
(c) मुकुन्दरा पर्वत श्रेणी
(d) काली घाटी पर्वतमाला

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (b) : कर्नल टॉड के अनुसार, मीणाओं का मूल निवास स्थान काली खोह पर्वतमाला था। राजस्थान में मीणा जनजाति सर्वाधिक संख्या में पायी जाती है। जिसकी उत्पत्ति का पौराणिक आधार मत्स्यावतार से माना जाता है। मीणा जनजाति में संयुक्त परिवार प्रथा तथा पितृवंशीय परम्परा पायी जाती है। मीणा जनजाति मुख्य रूप से जयपुर, उदयपुर, सवाईं माधोपुर तथा करौली जिले में पायी जाती है।

838. मक्का राजस्थान की किस जनजाति का मुख्य भोजन है?
(a) सहरिया (b) सांसी
(c) मीणा (d) भील

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (d) : मक्का राजस्थान की भील जनजाति का मुख्य भोजन है। भील जनजाति राजस्थान की सबसे प्राचीन जाति है। इनका मुख्य निवास स्थान उदयपुर है। इसके अतिरिक्त बांसवाड़ा, डुंगरपुर, चित्तौड़गढ़ जिलों में भी इनका निवास है।

839. 'कथोड़ी' जनजाति मुख्यतः किस जिले में पायी जाती है?
(a) डूंगरपुर में (b) बांसवाड़ा में
(c) उदयपुर में (d) कोटा में

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D